त्रिसूत्र आफ आयुर्वेद विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम

आज दिनांक 25 जुलाई 2024 दिन गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज में संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग द्वारा त्रिसूत्र आफ आयुर्वेद विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रामा आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हास्पिटल मंधाना कानपुर से प्रोफेसर डा. सोनी वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य की रक्षा करना आयुर्वेद का प्रथम उद्देश्य है और द्वितीय रोगी को पूरी तरह स्वस्थ करना।

त्रिसूत्र अर्थात् हेतु (कारण), लिंग (लक्षण) और औषधि (दवा) की अवधारणा को आयुर्वेद में स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और रोगियों की बीमारी को ठीक करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए निर्दिष्ट किया गया है। हेतु का अर्थ है स्वास्थ्य का कारण, कारक और साथ ही विभिन्न रोगों के एटिऑलॉजिकल कारक। स्वस्थ व्यक्ति का पहचान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य है जिसमें दशविधा आतुर परीक्षा (परीक्षाओं के दस गुना) शामिल हैं, सिवाय विकृति परीक्षा (रोग संबंधी जांच) के जो किसी व्यक्ति के सामान्य शारीरिक गठन और उसके स्वास्थ्य को परिभाषित करती है। जबकि रोगी में, लिंग में सामान्य, कार्डिनल या अरिष्ट का लक्षण शामिल हैं। औषध का उपयोग स्वस्थ व्यक्ति (स्वस्थवृत्त और पंचकर्म) में स्वास्थ्य को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए किया जाता है और बीमार रोगी में शोधन या शमन चिकित्सा या दोनों द्वारा उसकी बीमारी को कम करने के लिए इलाज किया जाता है।

कार्यक्रम का सञ्चालन और आभार ज्ञापन बीएएमएस छात्रा वीणा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ नवीन के, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय,डा शान्तिभूषण, डा. दीपू मनोहर सहित बीएएमएस प्रथम वर्ष वागभट्ट बैच के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Triastra of Ayurveda